

नाम

102

302 (DP)

2022
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड क

1. (क) 'डिप्टी कलकटरी' के लेखक हैं : 1
 - (i) वासुदेवशरण अग्रवाल
 - (ii) अमरकान्त
 - (iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
 - (iv) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

302 (DP)

1

P.T.O.

(ख) 'भारत की एकता' के रचनाकार हैं :

1

- (i) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
- (ii) फणीश्वरनाथ रेणु
- (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (iv) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ग) निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना है : 1

- (i) 'कल्पवृक्ष'
- (ii) 'पूर्वोदय'
- (iii) 'कल्पलता'
- (iv) 'और अन्त में'

(घ) निम्नलिखित में से प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी की रचना है : 1

- (i) 'मेरे विचार'
- (ii) 'साहित्य और समाज'
- (iii) 'लैंग्वेज प्रोब्लम इन इण्डिया'
- (iv) 'धरती के फूल'

(ङ) 'आरोहण-प्रमुख स्वामी जी के साथ मेरा आध्यात्मिक सफ़र' - इस पुस्तक के लेखक हैं : 1

- (i) वासुदेवशरण अग्रवाल
- (ii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
- (iii) जैनेन्द्र कुमार
- (iv) 'अज्ञेय'

302 (DP)

2

2. (क) निम्नलिखित में से अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा लिखित महाकाव्यात्मक रचना है : 1
- (i) 'रुक्मिणी परिचय' (ii) 'रसकलश'
(iii) 'वैदेही वनवास' (iv) 'अधखिला फूल'
- (ख) निम्नलिखित में से मैथिलीशरण गुप्त की रचना है : 1
- (i) 'सिद्धराज' (ii) 'कानन-कुसुम'
(iii) 'उत्तरा' (iv) 'दीपशिखा'
- (ग) 'अज्ञेय' जी को निम्नलिखित में से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला था ? 1
- (i) 'इन्द्रधनु रौंदे हुए थे'
(ii) 'हरी घास पर क्षण भर'
(iii) 'आँगन के पार द्वार'
(iv) 'कितनी नावों में कितनी बार'
- (घ) निम्नलिखित में से 'दिनकर' की रचना है : 1
- (i) 'शिला पंख चमकीले'
(ii) 'परशुराम की प्रतीक्षा'
(iii) 'अन्धा-युग'
(iv) 'अनामिका'
- (ङ) 'हिमालय' निम्नलिखित में से किसकी काव्यकृति है ? 1
- (i) सुमित्रानन्दन पन्त
(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(iii) महादेवी वर्मा
(iv) जयशंकर प्रसाद

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10
- साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है, वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आंतरिक आनंद की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद-पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है। इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।
- (क) राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं ?
- (ख) संस्कृति के आनंद-पक्ष को कौन स्वीकार करता है ?
- (ग) 'मानसिक' और 'स्वास्थ्यकर' शब्दों के अर्थ लिखिए।
- (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज़ मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज़ वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलने वाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है। भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है।

- (क) नित्य नूतनता क्या सूचित करती है ?
- (ख) युग-चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति का साधन क्या है ?
- (ग) 'अन्योन्याश्रित' और 'परम्परागत' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
- (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2=10

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
 'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही ।'
 अब कहें सभी यह हाय ! विरुद्ध विधाता,
'है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता ।'
 बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा,
 दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा,
 परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
 इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा !
 युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी —
 'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी ।'

- (क) नरदेही अभी तक क्या कहते आ रहे थे ?
- (ख) युग-युग तक क्या कठोर कहानी चलती रहेगी ?
- (ग) 'गात्र' तथा 'परमार्थ' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
- (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (ङ) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार
 ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय'
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।
 श्रेय उसका बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत,
 श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत,
 एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान
 तोड़ दे जो, बस, वही ज्ञानी, विद्वान्
 (क) इस सृष्टि में मनुष्य का क्या महत्त्व है ?
 (ख) मानव-जीवन का क्या श्रेय होना चाहिए ?
 (ग) 'आगार' और 'व्यवधान' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
 (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
 (ङ) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3+2=5

- (i) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
- (ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
- (iii) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3+2=5

- (i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
- (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'ध्रुवतारा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए ।
(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचताइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :
(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

- (क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' से सम्बन्धित कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गांधी जी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- (ख) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'तृतीय' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

- (ग) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

- (घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

- (ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'सम्राट हर्षवर्धन' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

- (च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'संदेश' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् ।
अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी
उवाच - येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् ।
यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे
ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच - प्रिया नः सती त्वं
प्रियं भाषसे । एहि, उपविश व्याख्याम्यामि ते
अमृतत्वसाधनम् । याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे
मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु
वै कामाय पतिः प्रियो भवति ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं
सर्वाकार परिपूर्णं पुरुष राजानमकुर्वन् । चतुष्पदा अपि
सन्निपत्य एक सिंहं राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः
हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु
राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे
राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते । एको
राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः । अथ ते
परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो
रोचते' इत्यवोचन् ।

- (ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी
में अनुवाद कीजिए : $2+5=7$
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्ति परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का
अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : $1+1=2$
(क) अपने पैर पर खड़े होना
(ख) मक्खन लगाना
(ग) पिया चाहे सोई सुहागिन
(घ) सावन हरे न भादों सूखे
10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प
का चयन कीजिए :

- (i) 'अन्तरात्मा' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
(अ) अन्तः + आत्मा
(ब) अन्ता + आत्मा
(स) अन्तर + आत्मा
(द) अन्त + रात्मा

- (ii) 'नरेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
(अ) नर + ईन्द्रः
(ब) नर + इन्द्रः
(स) नर् + इन्द्रः
(द) नरे + न्द्रः

- (iii) 'पवित्रम्' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
(अ) पौ + इत्रम्
(ब) पव + इत्रम्
(स) पव + वित्रम्
(द) पो + इत्रम्

- (ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन'
के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1
(अ) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन
(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन
(द) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
(ii) 'नामनि' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1
(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन
(ब) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभय – उभय 1

- (अ) निडर और चारों
(ब) डरपोक और दोनों
(स) निडर और दोनों
(द) निडर और भयभीत

(ii) अंश – अंश 1

- (अ) भाग और सूर्य
(ब) सूर्य और भाग
(स) भाग और किरण
(द) भाग और वरुण

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

- (i) काल
(ii) चपला
(iii) नाग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसकी गणना न की जा सके 1

- (अ) अगणित (ब) अगणनीय
(स) अगणक (द) अगणीत

(ii) जंगल की अग्नि 1

- (अ) जठराग्नि (ब) बाडवाग्नि
(स) दावाग्नि (द) वनानली

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1+1=2

- (i) यह किताब पाँच रुपये की है ।
(ii) तुलसीदास पक्के ईश्वर के भक्त थे ।
(iii) इलाहाबाद जाने के अनेकों रास्ते हैं ।
(iv) आप पधारकर हमें अनुग्रहीत करें ।

12. (क) 'वीर' अथवा 'हास्य' रस का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

(ग) 'दोहा' अथवा 'चौपाई' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

13. किसी विद्यालय के प्रबन्धक के नाम प्रवक्ता-पद पर अपनी नियुक्ति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए । 6

अथवा

होजरी की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें ऋण की माँग की गई हो । 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

- (क) भ्रष्टाचार : समस्या और समाधान
(ख) वन-सम्पदा और उसकी उपयोगिता
(ग) दहेज प्रथा : अतीत और वर्तमान
(घ) भारत में आतंकवाद : कारण और निवारण
(ङ) जनसंख्या-नियंत्रण में परिवार-नियोजन का महत्त्व

102

302 (DQ)

2022
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट।

[पूर्णांक : 100]

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड क

1. (क) वासुदेवशरण अग्रवाल की कृति है : 1
 - (i) 'मेरी असफलताएँ'
 - (ii) 'माताभूमि'
 - (iii) 'आधे-अधूरे'
 - (iv) 'आखिरी चट्टान'

302 (DQ)

1

P.T.O.

- (ख) निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना नहीं है : 1

- (i) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका'
- (ii) 'विचार और वितर्क'
- (iii) 'बिल्लेसुर बकरिहा'
- (iv) 'साहित्य का मर्म'

- (ग) निम्नलिखित में से प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी की रचना है : 1

- (i) 'मेरे विचार'
- (ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'
- (iii) 'आलवाल'
- (iv) 'मैंने सिल पहुँचायी'

- (घ) 'अग्नि की उड़ान' पुस्तक के रचनाकार हैं : 1

- (i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- (ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय
- (iii) धर्मवीर भारती
- (iv) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

- (ङ) 'फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कृति 'ठुमरी' किस विधा पर आधारित है ? 1

- (i) यात्रा-संस्मरण
- (ii) उपन्यास
- (iii) कहानी
- (iv) रिपोर्ताज

302 (DQ)

2

2. (क) 'रसकलश' किसकी रचना है ? 1
- (i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ii) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
(iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(iv) जयशंकर प्रसाद
- (ख) मैथिलीशरण गुप्त की महाकाव्यात्मक कृति है : 1
- (i) 'भारत-भारती' (ii) 'जयद्रथ वध'
(iii) 'यशोधरा' (iv) 'साकेत'
- (ग) निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति नहीं है : 1
- (i) 'कानन-कुसुम' (ii) 'प्रेमपथिक'
(iii) 'चित्राधार' (iv) 'इत्यलम्'
- (घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' किस कृति पर मिला था ? 1
- (i) 'कला और बूढ़ा चाँद'
(ii) 'लोकायतन'
(iii) 'चिदम्बरा'
(iv) 'स्वर्ण-किरण'
- (ङ) निम्नलिखित में से सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन का काव्य संकलन है : 1
- (i) 'लहर' (ii) 'उर्वशी'
(iii) 'गुंजन' (iv) 'हरी घास पर क्षण भर'

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10
- भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनंत काल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरित होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा। इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।
- (क) भूमि का निर्माण किसने किया है और वह कब से है ?
- (ख) यह पृथिवी सच्चे अर्थों में किसकी जननी है ?
- (ग) 'पार्थिव' और 'आद्योपांत' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद वैरागियों की पलटन खड़ी की थी। असल में 'मार' मदन का भी नामांतर है। कैसा मधुर और मोहक साहित्य उन्होंने दिया। पर न जाने कब यक्षों के वज्रपाणि नामक देवता इस वैराग्यप्रवण धर्म में घुसे और बोधिसत्त्वों के शिरोमणि बन गये फिर वज्रयान का अपूर्व धर्म-मार्ग प्रचलित हुआ। त्रिरत्नों में मदन देवता ने आसन पाया। वह एक अजीब आँधी थी। इसमें बौद्ध बह गये, शैव बह गये, शाक्त बह गये। उन दिनों 'श्रीसुन्दरीसाधनतत्पराणां योगश्च भोगश्च करस्थ एव' की महिमा प्रतिष्ठित हुई। काव्य और शिल्प के मोहक अशोक ने अभिचार में सहायता दी।

- (क) भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद क्या किया ?
- (ख) बोधिसत्त्वों का शिरोमणि कौन बन गया ?
- (ग) 'बोधिसत्त्व' और 'अभिसार' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले ।
जाके आये न मधुवन से औ न भेजा सँदेसा ।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।
जा के मेरी सब दुःख-कथा श्याम को तू सुना दे ॥
ज्यों ही मेरा भवन तज तू अल्प आगे बढ़ेगी ।
शोभावाली सुखद कितनी मंजु कुंजें मिलेंगी ।
प्यारी छाया मृदुल स्वर से मोह लेंगी तुझे वे ।
तो भी मेरा दुःख लख वहाँ जा न विश्राम लेना ॥

- (क) संदेश प्रेषिका ने 'नव जलद से कंज से नेत्र वाले' शब्द किसके लिए प्रयोग किया है ?
- (ख) मधुवन जाकर किसने कोई सन्देश नहीं भेजा ?
- (ग) 'बावली' और 'अल्प' शब्दों का अर्थ लिखिए।
- (घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (ङ) उपर्युक्त पद्यांश से सम्बन्धित कविता का शीर्षक तथा उसके रचयिता का नाम लिखिए।

अथवा

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन
तुम आत्मा के, मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज ।

- (क) इस दुनिया में सब लोग क्या खोजने आते हैं ?
(ख) 'बापू' ने 'पशुता के पंकज' को क्या बना दिया ?
(ग) 'स्पर्धा' और 'अहिंसा' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(ङ) उपर्युक्त पद्यांश से सम्बन्धित कविता का शीर्षक तथा उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3+2=5

- (i) वासुदेवशरण अग्रवाल
(ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3+2=5

- (i) मैथिलीशरण गुप्त
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए ।
(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्वितीय विश्वयुद्ध' की कथावस्तु लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

- (ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- (घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'गांधी जी' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

- (ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

- (च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् ।
तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्,
अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना
चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति
न तादृशीम् किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां
यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र
तादृशी । दया, दान, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया,
क्षमा, अन्ये चानैक गुणाः अस्य साहित्यस्य
अनुशीलनेन सज्जायते ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः
पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव
आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान्
पीडयमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः
सर्वविधं साहाय्याञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य
स्वभाव एवासीत् । अद्यास्माकं मध्येऽनुपस्थितोऽपि
महामना मालवीयः स्वयंशसोऽमूर्तरूपेण प्रकाशं वितरन्
अन्धे तमसि निमग्नान् जनान् सन्मार्गं दर्शयन् स्थाने
स्थाने जने जने उपस्थित एव ।

- (ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
 न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
 अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।

2+5=7

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
 न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
 व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
 विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1+1=2

- (क) अधजल गगरी छलकत जाय
 (ख) कलई खुलना
 (ग) पानी-पानी होना
 (घ) आम के आम गुठलियों के दाम

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (i) 'कवीन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
 (अ) कवि + ईन्द्रः
 (ब) कवी + इन्द्रः
 (स) कवि + इन्द्रः
 (द) कवी + ईन्द्रः

P.T.O.

- (ii) 'देवेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
 (अ) देव + ईशः
 (ब) देवा + ईशः
 (स) देवे + शः
 (द) देवा + इशः

- (iii) 'नाविकः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
 (अ) नाव + इकः
 (ब) नौ + विकः
 (स) नौ + ईकः
 (द) नौ + इकः

- (ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

- (i) 'आत्मनोः' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1
 (अ) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
 (ब) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन
 (स) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
 (द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

- (ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1
 (अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
 (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
 (स) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
 (द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

- (i) अविराम – अभिराम 1
 (अ) रुककर और सुन्दर
 (ब) लगातार और कुरूप
 (स) ~~लगातार और सुन्दर~~
 (द) लेटकर और भद्दा
- (ii) जलद – जलधि 1
 (अ) ~~बादल और समुद्र~~
 (ब) पानी और समुद्र
 (स) इन्द्र और पर्वत
 (द) जल और पर्वत

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2
 (i) दल S
 (ii) मित्र
 (iii) दाम

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए : 1
 (i) जो ईश्वर में विश्वास करता है :
 (अ) अकृतज्ञ
 (ब) कृतज्ञ
 (स) आस्तिक
 (द) नास्तिक

P.T.O.

(ii) जो गलत कार्य के लिए हठ करे : 1

- (अ) दुराग्रह - (ब) दुराग्रही
 (स) सदाग्रही (द) सत्याग्रही

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1+1=2

- (i) यह पद्यांश नौकाविहार कविता से संग्रहीत है।
 (ii) क्या मेरा तौलिया सूख गया ?
 (iii) तुम मेरे से मत बोलो।
 (iv) निरपराधी को दण्ड नहीं देना चाहिए।

12. (क) 'वीर' अथवा 'करुण' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उन्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुंडलियाँ' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13. कृषि यंत्रों की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा प्रबंधक को एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें ऋण की माँग की गयी हो। 6

अथवा

नैतिक लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति के लिए किसी विद्यालय के प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए। 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

9

- (क) किसान-जीवन की त्रासदी
- (ख) मुंशी प्रेमचन्द का कथा साहित्य में योगदान
- (ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप
- (घ) राष्ट्रीय एकता : आज की अनिवार्य आवश्यकता
- (ङ) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से

2,42,000

302 (DQ)

15

<https://www.upboardonline.com>

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DR)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों - खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1/ क) 'साहित्य-सहचर' के लेखक हैं

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) बाबू गुलाब राय

iv) महादेवी वर्मा ।

1

3599

K.T ★★Z

[Turn over

302(DR)

2

ख) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) कवि वचन सुधा

ii) विशाल भारत

iii) साहित्य संदेश

iv) हिन्दी प्रदीप ।

1

ग) हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास है

i) परीक्षा गुरु

ii) आनन्दमठ

iii) तितली

iv) गबन ।

1

घ) सरदार पूर्णसिंह किस युग के लेखक हैं ?

i) भारतेन्दु युग

ii) छायावाद युग

iii) द्विवेदी युग

iv) प्रगतिवादी युग ।

1

3599

★★Z

ड) निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद की कृति है

- i) ध्रुवस्वामिनी
- ii) आषाढ़ का एक दिन
- iii) कुटज
- iv) आत्मनेपद ।

1

2/ क) छायावाद की विशेषता है

- i) इतिवृत्तात्मकता
- ii) शृंगारिक भावना
- iii) सौन्दर्य और प्रेम
- iv) उपदेशात्मक वृत्ति ।

1

ख) निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ भक्तिकाल का है ?

- i) पृथ्वीराज रासो
- ii) विनय पत्रिका
- iii) साकेत
- iv) कामायनी ।

1

ग) प्रयोगवांद के प्रवर्तक हैं

- i) निराला
- ii) जयशंकर प्रसाद
- iii) मैथिलीशरण गुप्त
- iv) 'अज्ञेय' ।

1

घ) 'अनामिका' के रचनाकार हैं

- i) अज्ञेय
- ii) निराला
- iii) महादेवी वर्मा
- iv) सुमित्रानंदन पंत ।

1

ड) रीतिकाल का अन्य नाम है

- i) शृंगार काल
- ii) स्वर्ण काल
- iii) उद्भव काल
- iv) संक्रान्ति काल ।

1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$$5 \times 2 = 10$$

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है । मनुष्यों ने युग-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है । बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है । संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है । राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है ।

- राष्ट्र की वृद्धि कैसे संभव है ?
- संस्कृति जन का मस्तिष्क किस प्रकार है ?
- 'जन की संस्कृति' से आप क्या समझते हैं ?
- 'विकास' और 'अभ्युदय' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
- दिए गये गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है । शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है । यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही । दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं । वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है ।

- किसके अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है ?
- नये शब्दों का गठन कैसे होता है ?
- किन विदेशी भाषाओं से शब्द लेकर हम नये शब्दों का इस्तेमाल करते हैं ?

iv) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

v) गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$$5 \times 2 = 10$$

तपस्वी ! क्यों इतने हो क्लान्त, वेदना का यह कैसा वेग ?

आह ! तुम कितने अधिक हताश, बताओ यह कैसा उद्वेग ?

दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात;

एक परदा यह झीना नील, छिपाये है जिसमें सुख गात ।

- तपस्वी सम्बोधन किसके लिए किया गया है ?

- ii) 'आह !' शब्द से किस भाव को व्यक्त किया गया है ?
- iii) दुःख को रात्रि तथा सुख को नवल प्रभात क्यों कहा गया है ?
- iv) 'एक परदा यह झीना नील' का भाव स्पष्ट कीजिए ।
- v) पाठ का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान;
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार ॥

- i) कवि ने मनुष्य को सावधान क्यों किया है ?
- ii) कवि ने किसे फेंक देने के लिए कहा है ?
- iii) मनुष्य को शिशु और अज्ञान क्यों कहा गया है ?
- iv) विज्ञान को तलवार क्यों कहा गया है ?
- v) यह पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
- ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
- iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- i) जयशंकर प्रसाद
- ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'ध्रुव-यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

5

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुव-यात्रा' कहानी के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'प्रथम सर्ग' का सारांश लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर राज्यश्री का चरित्रांकन कीजिए।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के संदेश खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस पावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयम् सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन् ।
मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम् । तस्य
पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव
रूपवती आसीत् । स तस्यै वरमदात् यत् सा
आत्मनश्चितरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः
तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनि सङ्गे संन्यपतत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी
में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

न चौरहार्यं न च राजहार्यं

न भ्रातृभार्यं न च भारकारि ।

व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं

विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् ॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितमोः क्वचित् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का
अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : $1 + 1 = 2$

(i) होश उड़ जाना ।

(ii) अन्धे की लकड़ी होना ।

(iii) आम के आम गुठलियों के दाम

(iv) दाल में काला होना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प
का चयन कीजिए :

(i) 'तथेति' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) तथ + इति

(ब) तथा + इति

(स) तथे + अति

(द) तथा + अति ।

1

(ii) 'मध्वरिः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) मधू + अरिः

(ब) मधु + आरिः

(स) मधु + अरिः

(द) मध्व + अरिः ।

1

(iii) 'हरिश्शेते' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) हरिश् + शेते

(ब) हरी + शेते

(स) हरीश + सेते

(द) हरिस् + शेते ।

1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'राजानम्' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन ।

1

(ii) 'सरित्सु' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन ।

1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : <https://www.upboardonline.com>

(i) अंस-अंश -

(अ) हिस्सा और कंधा

(ब) हिस्सा और अंकुर

(स) कंधा और हिस्सा

(द) अंकुर और हिस्सा ।

1

(ii) बात-वात -

(अ) बातें और हवा

(ब) रोग और दवा

(स) वायु और विकार

(द) विचार और विकार ।

1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : $1 + 1 = 2$

(i) पतंग

(ii) नाग

(iii) वर ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हो -

(अ) अजेय (ब) अजातशत्रु

(स) अजन्मा (द) अनन्त ।

1

(ii) जो बहुत कुछ जानता हो -

(अ) बहुज्ञ (ब) सर्वज्ञ

(स) बहुश्रुत (द) बहुपठ ।

1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का शुद्ध करके लिखिए : $1 + 1 = 2$

- (i) मैं भोजन कर लिया हूँ ।
- (ii) क्या मेरा तौलिया सूख गया ?
- (iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ ।
- (iv) मेरा बड़ा भाई आ रहा है ।

(क) 'रौद्र' रस अथवा 'भयानक' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

(ख) 'सन्देह' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

(ग) 'चौपाई' छन्द 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण लिखिए । $1 + 1 = 2$

13. किसी दैनिक-पत्र के एक पत्र लिखिए जिसमें शहर में फैली संक्रामक बीमारी के प्रति नगर स्वास्थ्य अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया हो ।

$2 + 4$

अथवा

किसी बैंक के प्रबंधक को कोई व्यवसाय करने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : $2 + 7$

- (i) पर्यावरण संरक्षण का महत्व
- (ii) आजादी का अमृत-महोत्सव
- (iii) नई शिक्षा नीति-2020
- (iv) आतंकवाद की समस्या
- (v) पर्यावरण-संरक्षण : आवश्यकता और महत्व ।

302(DR) - 2,42,000

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DS)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'सौ अजान एक सुजान' के लेखक हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) प्रताप नारायण मिश्र

iii) श्याम सुन्दर दास

iv) बालकृष्ण भट्ट ।

1

302(DS)

2

ख) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध के लेखक हैं

i) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

1

ग) 'ध्रुव यात्रा' कहानी के लेखक हैं

i) अमरकान्त

ii) मुन्शी प्रेमचन्द

iii) यशपाल

—iv) जैनेन्द्र कुमार ।

1

घ) 'विद्यानिवास मित्र' निबन्धकार हैं

i) ललित निबन्धों के

ii) विचारात्मक निबन्धों के

iii) मनोवैज्ञानिक निबन्धों के

iv) भावनात्मक निबन्धों के ।

1

ङ) 'भाषा और आधुनिकता' निबन्ध के लेखक हैं

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

1

2. क) हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखनेवाले सर्वप्रथम विद्वान् हैं

- i) डॉ० गियर्सन
- ii) गार्सा द तासी
- iii) डॉ० रामकुमार वर्मा

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

1

ख) मलिक मोहम्मद जायसी को किस धारा का कवि माना गया है ?

- i) ज्ञानमार्गी अथवा सन्त काव्यधारा का
- ii) राममार्गी शाखा का
- iii) सूफी काव्यधारा का
- iv) सगुण-भक्ति धारा का ।

1

ग) 'रीति काल' को 'शृंगार काल' नाम दिया है

- i) मिश्र बन्धुओं ने
- ii) रामशंकर शुक्ल 'रसाल' ने
- iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने
- iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने ।

1

घ) 'लहर' के रचनाकार हैं

- i) महादेवी वर्मा
- ii) जयशंकर प्रसाद
- iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- iv) डॉ० रामकुमार वर्मा ।

1

ङ) 'हिरोशिमा' कविता के रचनाकार हैं

- i) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- iii) महादेवी वर्मा
- iv) माखनलाल चतुर्वेदी ।

1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनन्त होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का सततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) 'जन का प्रवाह' का आशय लिखिए ।

- ii) राष्ट्रनिवासी जन किसके समान आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं ?
- iii) उत्थान के घाटों का निर्माण कैसे होगा ?
- iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- v) पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

मगर उदास होना बेकार है । अशोक आज भी उसी मौज में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था । कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ-भी तो नहीं बदला है । बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति । यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती और यदि वह न बदलती, और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता - मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता - विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता ।

- i) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है ?
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) 'मनोवृत्ति' और 'धावन' शब्दों का आशय लिखिए ।
- iv) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है ?
- v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबला जन के लिये कौन-सा पथ है ?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पात समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो ।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ ?
राई-भर-भी अनुताप न करने पाऊँ ?
थी सनक्षत्र राशि-निशा उत्तेस टपकाती,
रोती थी नीरव सभा हृदय थपकाती ।

- i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) 'दुर्बलता का चिह्न' क्या है ? इसे कौन किससे कह रहा है ?
- iv) 'ठहरो', मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो । यह कथन किसका किसके प्रति है ?
- v) नीरव सभा की क्या स्थिति थी ?

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात

एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत् की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल ।

- प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।
 - रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
 - 'नवल' तथा 'गात' शब्दों के अर्थ लिखिए ।
 - यहाँ 'तुम' किसके लिये प्रयुक्त है और वह किसको क्या समझे बैठा है ?
 - यह किसका कैसा वरदान है ?
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए :
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
- प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
 - डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम
 - डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- जयशंकर प्रसाद
 - महादेवी वर्मा
 - रामधारी सिंह 'दिनकर' ।
- 6 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य लिखिए । 5

अथवा

- 'ध्रुव-यात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए ।
7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5
- 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

- ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

- iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।

- v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य को कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए ।

★ ★ Y

| Turn over

- vi) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संसन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि-
व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-
भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः
अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा
अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो
भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं
सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते ।
इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा
चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या
गोवाण भारती' इति ।

अथवा

★ ★ Y

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि । उद्यास्यन अहम्
अस्मात् स्थानादस्मि । ततस्तेऽनया कात्यायन्या
विच्छेदं करवाणि इति । मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा
पृथ्वी वित्तेन पूर्जा स्यात् तत् किं तेनाहममृता
स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाचनेति । यथैवोपकरणवतां
जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु
नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-येनाहं नामृता
स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान्
केवलममृतत्वसाधनं जानाति तदेव मे ब्रूहि ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी
में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा ।
न्यायात् पथ प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्जानाय दानाय च रक्षणाय ॥

★ ★ Y

[Turn over

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का
अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : $1 + 1 = 2$

(i) अपना उल्लू सीधा करना ।

(ii) घी के दीये जलाना ।

(iii) एक पंथ दो काज ।

(iv) एक अनार सौ बीमार ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प
का चयन कीजिए :

(i) 'अत्याचारः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) अत्य + आचारः

(ब) अति + आचारः

(स) अत् + आचारः

(द) अ + त्याचारः ।

1

(ii) 'महेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) मह + इन्द्रः (ब) महा + इन्द्रः

(स) महे + इन्द्रः (द) महो + इन्द्रः ।

1

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नै + अकः (ब) न + आयकः

(स) नाय + अकः (द) नो + अकः । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभय-उभय -

(अ) भयपूर्ण और भय रहित

(ब) भयहीन और दोनों

(स) आकाश और पृथ्वी

(द) आशा और लापरवाही । 1

(ii) कुल-कूल -

(अ) पूरा और अधूरा

(ब) यहाँ और वहाँ

(स) इस ओर और उस ओर

(द) वंश और किनारा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पत्र

(ii) तीर

(iii) अनन्त ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका ज्ञान कम हो -

(अ) अल्पज्ञ (ब) अज्ञेय

(स) अनजान (द) अक्षम । 1

(ii) जंगल में स्वयं लगाने वाली आग -

(अ) सर्वाग्नि (ब) बड़वाग्नि

(स) जठराग्नि (द) दावाग्नि । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : <https://www.upboardonline.com> 1 = 2

(i) कृष्ण और राधा नृत्य कर रहे हैं ।

(ii) सूर्य पूरब में निकलता था ।

(iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ

(iv) पुत्री पराया धन होता है ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'वीर' रस का स्थायी भाव बताते हुए, उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए । 2 + 4

अथवा

अपनी उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिये शैक्षणिक ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी बैंक के प्रबन्धक को पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7

(i) जीवन में परिश्रम का महत्व

(ii) आधुनिक शिक्षा प्रणाली के गुण-दोष

(iii) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

(iv) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(v) मेरा प्रिय कवि ।

302(DS) - 2,42,000

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DT)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) खड़ी बोली की प्रथम गद्य रचना किसे माना जाता है ?

i) चंद छंद बरनन की महिमा

ii) कामायनी

iii) प्रिय प्रवास

iv) रामचरितमानस ।

1

5922

★ ★ X

[Turn over

302(DT)

2

ख) 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका के संपादक हैं

i) प्रताप नारायण मिश्र

ii) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

iii) बालकृष्ण भट्ट

iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ।

1

ग) बाबू गुलाब राय की आत्मकथा है

i) कुछ आप बीती कुछ जग बीती

ii) मेरा जीवन प्रवाह

iii) मेरी असफलताएँ

iv) अपनी खबर ।

1

घ) 'अतीत के चलचित्र' किस विधा की रचना है ?

i) जीवनी

ii) संस्मरण

iii) निबन्ध

iv) कहानी ।

1

ङ) 'जीवन और दर्शन' के रचनाकार हैं

i) महावीरप्रसाद द्विवेदी

ii) रायकृष्ण दास

iii) डॉ० सम्पूर्णानन्द

iv) रामवृक्ष बेनीपुरी ।

1

5922

★ ★ X

2. क) 'हरी घास पर क्षणभर' के रचनाकार हैं

- i) भवानीप्रसाद मिश्र
- ii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- iii) अज्ञेय
- iv) नागार्जुन ।

1

ख) 'हरिऔध' जी की कृति नहीं है

- i) चुभते चौपदे
- ii) प्रिय प्रवास
- iii) चित्राधार
- iv) वैदेही वनवास ।

1

ग) 'साहित्य लहरी' के रचयिता हैं

- i) तुलसीदास
- ii) सुरदास
- iii) कबीर
- iv) आचार्य केशवदास ।

1

घ) 'नौका विहार' कविता किस कृति से अवतरित है ?

- i) 'गुंजन' से
- ii) 'वीणा' से
- iii) 'पल्लव' से
- iv) 'युगान्त' से ।

1

ङ) 'दूसरा सप्तक' के कवि हैं

- i) रामविलास शर्मा
- ii) गिरिजा कुमार माथुर
- iii) केदारनाथ सिंह
- iv) भवानीप्रसाद मिश्र ।

1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक दूसरे के विरोधी हैं । या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है । उदाहरण के तौर पर मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि यह अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजादी को बनाये रखने में सहायक है । आप आस-पास देखेंगे तो पायेंगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती । किसी बगीचे में जाइए, मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनन्त तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) रेखांकित गद्यांश का आशय स्पष्ट करें ।
- iii) भौतिक समृद्धि के महत्व के विषय में लेखक की क्या मान्यता है ?

iv) लेखक के अनुसार मनुष्य को जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक वस्तुओं को किस प्रकार स्वीकार करना चाहिए ?

v) भौतिक समृद्धि अपने साथ क्या लाती है ?

अथवा

धरती माँ की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं जिनके कारण वह वसुन्धरा कहलाती है, उससे कौन परिचित न होना चाहेगा ? लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है । दिन-रात बहनेवाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीस कर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है । हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है ।

i) पृथ्वी को वसुन्धरा क्यों कहा जाता है ?

ii) पृथ्वी की देह को किसने सँवारा है ?

iii) हमारे आर्थिक अभ्युदय के लिए क्या आवश्यक है ?

iv) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

v) पहाड़ों को किसने पीसा है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

5 × 2 = 10

जल पंजर गत अब अरे अधीर अभागे

वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे

पर था केवल क्या ज्वलित भाव ही मन में ?

क्या शेष बचा था कुछ न और इस मन में ?

कुछ मूल्य नहीं वात्सल्य-मात्र क्या तेरा ?

पर आज अन्य-सा हुआ वत्स भी मेरा

थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके

जो कोई जो कह सके, कहे क्यों चूके ?

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) उपर्युक्त पद्यांश में किससे किसका संवाद हो रहा है ?

iii) वे ज्वलित भाव किसमें जगे थे ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पश्चात्ताप की अग्नि में कौन जल रहा है ?

अथवा

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ-बन बीच गुलाबी रंग ।

ओह ! वह मुख ! पश्चिम के न्योम

बीच जब घिरते हों घनश्याम;

अरुण रवि मंडल उनको भेद

दिखाई देता हो छविधाम !

- उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक तथा कवि का नामोल्लेख कीजिए ।
- रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।
- 'मेघ-बन बीच' में कौन-सा अलंकार है ?
- प्रस्तुत पद्यांश में नायिका के मुख की तुलना किस से की गयी है ?
- 'छविधाम' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल ।

- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए ।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

5

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7, स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' के नायक गाँधी जी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अनुसार पंचम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के अनुसार हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iv) 'आलोक-वृत्त' के अनुसार महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के अनुसार दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का उद्देश्य वर्णित कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के अनुसार श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8, (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$
महापुरुषाः लौकिक प्रलोभनेषु बद्धाः नियत लक्ष्यान् कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत् । पण्डित मोतीलाल नेहरू लाला लाजपत राय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतंत्रतासंग्रामेऽवतीर्णः। देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलंकृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आंग्लशासकाः भीताः जाताः। बहुवारं कारागारे निक्षिप्तोऽपि अयं वीरः देशसेवाव्रतं नात्यजत्।

अथवा

हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन् । हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकं आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसंघे अवलोकयन्ती मणिवर्णं ग्रीवं, चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा अयं मे स्वामिको भवतु इत्यभाषत् । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं' न पश्यसि इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनि संघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् नृत्यन् चा प्रतिच्छत्रोऽभूत् । सुवर्णराजहंसः लज्जितः अस्य नैव हीः अस्ति, न बर्हाणां समुत्थाने लज्जा । नास्मै गतत्रपायं स्वदुहितरं दास्यामि इत्य कथयत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।

खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जनसेवा परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : $1 + 1 = 2$

(i) अपने पैरों पर खड़े होना ।

(ii) उल्टी गंगा बहाना ।

(iii) गूलर का फूल होना ।

(iv) मक्खन लगाना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'चन्द्रोदय' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) चन्द्रो + दय (ब) चन् + द्रोदय

(~~स~~) चन्द्र + उदय (द) चन्द्रोद + य । 1

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) इत् + आदि (ब) इत्य + आदि

(~~स~~) ईति + आदि (द) इत् + यादि । 1

(iii) 'भवनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(~~अ~~) भव + नम् (ब) भवि + नम्

(स) भो + अनम् (द) भव + अनम् । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन ।

1

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन ।

1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) जलद-जलज -

(अ) जोंक और नदी

(ब) बादल और कमल

(स) कमल और जल

(द) मोती और पानी ।

1

(ii) अवलम्ब-अविलम्ब -

(अ) लम्बा और छोटा

(ब) सहारा और शीघ्र

(स) शीघ्र और देर

(द) छोर और किनारा ।

1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : $1 + 1 = 2$

(i) अक्षत

(ii) कर

(iii) द्विज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार को न माननेवाला -

(अ) अपरोपकारी

(ब) परोपकारी

(स) कृतज्ञ

(द) कृतघ्न ।

1

(ii) घृणा के योग्य -

(अ) घृणित

(ब) घृणास्पद

(स) घृणी

(द) निर्घृणी ।

1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

$$1 + 1 = 2$$

- (i) महादेवी वर्मा विद्वान कवियित्री थीं ।
- (ii) मैं भोजन कर लिया हूँ ।
- (iii) कृपया मेरे सामानों पर निगाह रखने की कृपा करें ।
- (iv) तुम मेरे से मत बोलो ।

12. (क) 'करुण' रस अथवा 'हास्य' रस का स्थायी भाव के साथ एक उदाहरण लिखिए ।

$$1 + 1 = 2$$

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए ।

$$1 + 1 = 2$$

(ग) 'सौरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

$$1 + 1 = 2$$

13. किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को पुस्तक एवं लेखन सामग्री की दुकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

$$2 + 4$$

अथवा

नगर में अपने मुहल्ले की नालियों को साफ करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

9

- (i) मेरा प्रिय कवि
- (ii) नवीन शिक्षा-पद्धति
- (iii) पर्यावरण-प्रदूषण : कारण और निवारण
- (iv) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा ।

302(DT) - 2,42,000

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DU)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों - खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) पं० प्रताप नारायण मिश्र द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) 'आनन्द कादम्बिनी'

ii) 'हिन्दी प्रदीप'

iii) 'ब्राह्मण'

iv) 'दिनमान' ।

1

6799

[Turn over

302(DU)

2

ख) रामचन्द्र शुक्ल की रचना है

i) 'साहित्य लोचन'

ii) 'साहित्य सहचर'

iii) 'त्रिवेणी'

iv) 'आलोचक की आस्था' ।

1

ग) 'कर्मभूमि' किस विधा की रचना है ?

i) उपन्यास

ii) निबन्ध

iii) कहानी

iv) आलोचना ।

1

घ) 'भाग्य और पुरुषार्थ' के लेखक हैं

i) जैनेन्द्र कुमार

ii) श्यामसुन्दर दास

iii) गुलाब राय

iv) विद्यानिवास मिश्र ।

1

ङ) महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) 'कविवचन सुधा'

ii) 'उचित वक्ता'

iii) 'भारतमित्र'

iv) 'सरस्वती' ।

1

6799

2. क) 'पद्मावत' का रचना काल है

- i) आदिकाल ii) भक्तिकाल
iii) रीतिकाल iv) आधुनिक काल । 1

ख) 'सरोजस्मृति' के रचयिता हैं

- i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
ii) जयशंकर प्रसाद
iii) महादेवी वर्मा
iv) 'अज्ञेय' । 1

ग) निम्नलिखित कवियों में कौन छायावादी कवि नहीं हैं ?

- i) 'नागार्जुन' ii) सुमित्रानन्दन पन्त
iii) जयशंकर प्रसाद iv) महादेवी वर्मा । 1

घ) निम्न में से रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस में रचना की है ?

- i) घनानन्द ii) पद्माकर
iii) बिहारी लाल iv) 'भूषण' । 1

ङ) 'तार सप्तक' के सम्पादक थे

- i) 'अज्ञेय'
ii) धर्मवीर भारती
iii) 'दिनकर'
iv) गिरिजा कुमार माथुर । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनन्त होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य को रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

- ii) जन का प्रवाह का आशय लिखिए ।
- iii) भूमि के साथ किसने तादात्म्य प्राप्त किया है ?
- iv) जन का जीवन किस तरह है ?
- v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं । इसके लिए नये प्रयोगों की नयी भाव योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

- i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) भाषा किसका अटूट अंग है ?
- iii) किसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है ?
- iv) सांस्कृतिक हलचलें किसके लिए पर्याप्त नहीं हैं ?
- v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

4. दिए गये पद्यांश पर अधरित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :
- 5 × 2 = 10

दुःख को खिलों रत्नों बीच

किस्सा सुख का नवल प्रभात

एक पल वह ज्ञान नील

छिपने है निम्न सुखगत

जिसे तुम समझे हो अभिराम

जात की नवलार्थ का मूल

इस का वह सत्य अदान

कभी न भूलें इसको मूल ।

- i) कवि और शक्ति का नाम लिखिए ।
- ii) श्रद्धा किसके हृदय मन को प्रेरणा दे रही है ?
- iii) रत्नों किसका प्रतीक है ?
- iv) सुख का नवल प्रभात कब आता है ?
- v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज ।
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के मन के मनोज ।
जड़ता हिंसा स्पर्धा में भर
चेतना अहिंसा नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज ।

- कवि और कविता का शीर्षक लिखिए ।
- मानव नश्वर संसार में आकर किसकी खोज करता है ?
- मनुष्य क्या है ?
- सत्य की खोज करने कौन आया ?
- रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए :
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

- डॉ० हजारप्रसाद द्विवेदी
- प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
- डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

$3 + 2 = 5$

- मेथिलीशरण गुप्त
- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- महादेवी वर्मा ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'वहादुर' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' कहानी का उद्देश्य लिखिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा लिखिए ।

अथवा

'कर्ण का चरित्र महान है ।' 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$
संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारविभवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वं च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः
पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव
आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान्
पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः
सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य
स्वभाव एवासीत् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी
में अनुवाद कीजिए :

$$2 + 5 = 7$$

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषाम्
परिपीडनाय ।

खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च
रक्षणाय ॥

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिवेचनम् ।

अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का
अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : $1 + 1 = 2$

- (i) आँख का तारा होना ।
- (ii) नाक में नकेल डालना ।
- (iii) सावन हरे न भादो सूखे ।
- (iv) मक्खन लगाना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प
का चयन कीजिए :

(i) 'साक्षरः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) स + अक्षरः (ब) सा + क्षरः

(स) साक्ष + रः (द) से + क्षरः । 1

(ii) 'नरेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नर + इन्द्रः (ब) नरा + इन्द्रः

(स) न + रेन्द्रः (द) नरे + इन्द्रः । 1

(iii) 'स्वागतम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) सु + आगतम्

(ब) सुआ + गतम्

(स) सू + आगतम्

(द) स्व + गतम् । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मने' शब्द में विभक्ति और वचन हैं

— (अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन । 1

(ii) 'नाम्ना' शब्द में विभक्ति और वचन हैं

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

— (द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) श्रवण-श्रमण -

(अ) पाप और पुण्य

(ब) सज्जन और दुर्जन

(स) कान और भिक्षु

(द) सावन और परिश्रमी । 1

(ii) अंस-अंश -

(अ) अंकुर और हिस्सा

(ब) हिस्सा और अंकुर

(स) कंधा और हिस्सा

(द) हिस्सा और कन्धा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : <https://www.upboardonline.com>

(i) अम्बर

(ii) चपला

(iii) जड़ ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) अनुकरण करने योग्य -

(अ) अनुकरणीय (ब) अमर

(स) अजर (द) अक्षय । 1

(ii) वन में रहनेवाला -

(अ) वनवासी (ब) नगरीय

(स) ग्रामीण (द) पहाड़ी । 1

(ब) निम्नलिखित में से किसी दो वाक्यों को सुदृढ़ करके लिखिए : $1 + 1 = 2$

(i) महर्षिओं वनों विह्वल कवियों थे ।

(ii) अध्यात्म कक्षा में पढ़ा रही है ।

(iii) तुम मेरे से मत बोलो ।

(iv) मैं लड़कें को पढ़ाते हूँ ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'रस' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए ।

$$1 + 1 = 2$$

(ग) 'दंष्ट्रा' छन्द अथवा 'संज्ञा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

13. छात्रवृत्ति हेतु बैंक में खाना खोलने के लिए बैंक अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए । $2 + 4$

अथवा

अपने गाँव की सड़कें हेतु सम्बन्धित अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2×7

(i) बाढ़ की समस्या : कारण और निवारण

(ii) स्वच्छता अभियान : जन-जन का कल्याण

(iii) आरक्षण व्यवस्था : वरदान या अभिशाप

(iv) साहित्य में लोक मंगल की भावना

(v) कृषक-जीवन का यथार्थ स्वरूप ।

302(DU) – 2,42,000

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजें और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से

अनुक्रमांक

नाम

102

302(DV)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट | पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(खण्ड-क)

1) क) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन किस युग में हुआ ?

i) भारतेन्दु युग

ii) द्विवेदी युग

iii) शुक्ल युग

iv) शुक्लान्तर युग।

302(DV)

2

ख) 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक के लेखक हैं

i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) रामवृक्ष बेनीपुरी

iv) विद्यानिवास मिश्र।

ग) 'रामचन्द्र शुक्ल' द्वारा लिखा गया निबन्ध है

i) अशोक के फूल

ii) राष्ट्र का स्वरूप

iii) कविता क्या है ?

iv) तुम चन्दन हम पानी।

घ) 'अज्ञातशत्रु' किस विधा की रचना है ?

i) जीवनी

ii) नाटक

iii) संस्मरण

iv) आत्मकथा।

ङ) 'अज्ञेय' की रचना है

i) शेखर : एक जीवनी

ii) पृथ्वीपुत्र

iii) विचार प्रवाह

iv) मेरे विचार।

(2)

क) 'कबीरदास' प्रमुख कवि हैं

- i) निर्गुण काव्य धारा के
- ii) सगुण काव्य धारा के
- iii) प्रगतिवादी काव्य धारा के
- iv) प्रयोगवादी काव्य धारा के ।

1

ख) 'बिहारीलाल' ने प्रमुख रूप से किस छन्द में रचना की है ?

- i) चौपाई
- ii) दोहा
- iii) कुंडलिया
- iv) सवैया ।

1

ग) 'नौका विहार' कविता का सम्बन्ध किस नदी से है ?

- i) गंगा
- ii) यमुना
- iii) सरस्वती
- iv) घाघरा ।

1

घ) प्रयोगवादी काव्य धारा के कवि हैं

- i) महादेवी वर्मा
- ii) सुमित्रानन्दन पंत
- iii) निराला
- iv) गिरिजा कुमार माथुर ।

1

ड) 'आँसू' काव्य में प्रधान रस है

- i) करुण रस
- ii) शान्त रस
- iii) वीर रस
- iv) हास्य रस ।

1

3) दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युग-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंधमात्र है। संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। (संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है)। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

- i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) राष्ट्र का तीसरा अंग क्या है ?
- iii) राष्ट्र का विकास किसके द्वारा सम्भव है ?
- iv) जन का मस्तिष्क क्या है ?
- v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखाई दे रहा है । मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है । वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा-मोहों को रौंदती चली आ रही है । न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है । संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है । हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है ।

- पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- मनुष्य की जीवनी शक्ति कैसी है ?
- मनुष्य ने नयी शक्ति किससे पायी है ?
- समाज का वर्तमान रूप किसका प्रतिफल है ?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

मैं नीर भरी दुख की बदली
स्पन्दन में चिर निस्पन्द बसा,
क्रन्दन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली ।

- कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

- कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है ?
- किससे आहत होकर विश्व हँसा ?
- पलकों में क्या मचली ?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग तीखी है बड़ी यह धार ।।

- पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।
- कवि मनुष्य को सावधान क्यों कर रहा है ?
- विज्ञान को तलवार क्यों कहा है ?
- मनुष्य को किस चीज की पहचान नहीं है ?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
- ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
- iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- ii) जयशंकर प्रसाद
- iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

6. 'बहादुर' अथवा 'ध्रुव-यात्रा' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

- i) 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

- ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सर्वश्रेष्ठ स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

- iii) 'मुक्तियज्ञ' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

- iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

- 1 v) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर असहयोग आन्दोलन की किसी एक घटना का वर्णन कीजिए ।

- vi) 'त्यागपथी' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$
- संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् ।
तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्,
अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना
चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति
न तादृशीं किञ्चिदन्यत । मूलभूतानां मानवीय गुणानां
यादृशी विवेचना संस्कृत साहित्ये वर्तते नान्यत्र
तादृशी ।

अथवा

★★V

[Turn over

महमनस्विनः मदनमोहन मालवीयस्य जन्म प्रयागे
प्रतिष्ठित परिवारेऽभवत् । अस्य पिता पं० ब्रजनाथ
मालवीयः संस्कृतस्य सम्मान्यः विद्वान् आसीत् । अयं
प्रयागे एव संस्कृत पाठशालायाम् राजकीय विद्यालये
म्योर सेंट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव
राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान् । युवकः
मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्ण भाषणेन जनानां मनांसि
अमोहयत् ।

- (ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

न चौरहार्यं न च राजहार्यं

न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि

व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं

विद्या धनं सर्व धनं प्रधानम् ।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।

सुखार्थी व त्यजेत विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ॥

★★V

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : $1 + 1 = 2$

- (i) अक्ल का दुश्मन ।
- (ii) गागर में सागर भरना ।
- (iii) हाथ पीले करना ।
- (iv) मुँह फुलाना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (i) 'पुस्तकालयः' का सही सन्धि-विच्छेद है
 - (अ) पुस्तक + आलयः
 - (ब) पुस्तका + लयः
 - (स) पुस् + तकालयः
 - (द) पूस्तक + आलयः ।

1

(ii) 'तथैत' का सही सन्धि-विच्छेद है

- (अ) तथा + इति
- (ब) तथ् + इति
- (स) तथा + इती
- (द) तथाई + ति ।

1

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है

- (अ) नै + अकः
- (ब) नाय + कः
- (स) ने + अकः
- (द) ना + यकः ।

1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है

- (अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
- (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
- (स) पंचमी विभक्ति, बहुवचन
- (द) तृतीया विभक्ति, द्विवचन ।

1

(ii) 'नामसु' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) तृतीया विभक्ति, बहुवचन ।

1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ का चयन करके लिखिए :

(i) अविराम-अभिराम -

(अ) लगातार और रुचिकर

(ब) बिना रोक के और सुन्दर

(स) सुन्दर और आकर्षक

(द) आकर्षक और सुन्दर ।

1

(ii) स्वर्ण-सवर्ण -

(अ) सोना और अच्छा रंग

(ब) सुनार और सोना

(स) सोना और चाँदी

(द) सोना और उच्च जाति ।

1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही

अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) कर्ण

(ii) काल

(iii) अर्क ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का सही चयन करके लिखिए :

(i) जो जीता न जा सके -

(अ) अजेय

(ब) अमर

(स) अजर

(द) अक्षय ।

1

(ii) रास्ता दिखाने वाला -

(अ) पथ प्रदर्शक

(ब) ज्ञानी

(स) जानकार

(द) सर्वज्ञ ।

1

12. (घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : $1 + 1 = 2$

- (i) अनेकों लोगों ने गंगा में स्नान किया ।
- (ii) एक गिलास गर्म गाय का दूध दीजिए ।
- (iii) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या है ।
- (iv) मैं हस्ताक्षर कर दिया है ।

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'शृंगार' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । <https://www.upboardonline.com>

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए ।

$$1 + 1 = 2$$

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुंडलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

13. सफाई व्यवस्था हेतु उचित अधिकारी को एक पत्र लिखिए । $2 + 4$

अथवा

अपने विद्यालय के पुस्तकालय की समस्या के निराकरण हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : $2 + 7$

- (i) भारतीय किसानों की समस्याएँ और समाधान
- (ii) जीवन में खेल का महत्व
- (iii) जीवन में पर्यावरण की आवश्यकता
- (iv) नई शिक्षा नीति से विकास की संभावनाएँ
- (v) विद्यार्थी के जीवन में अनुशासन का महत्व ।

302(DV) – 2,42,000

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजें और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से